NATIONAL CONFERENCE ON ENGINEERING, SCIENCE, MANAGEMENT, ARTS AND HUMANITIES (NCESMAH – 2021)
31ST OCTOBER, 2021

CERTIFICATE NO : NCESMAH /2021/C1021752

माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में छात्रों के लिए स्कूली शिक्षा के महत्व का अध्ययन

THORAT KALPANA VIJAYKUMAR

Research Scholar, Department of Education,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore M.P., India.

सारांश

सरकारी और निजी माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में छात्रों के लिए स्कूली शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण स्तर है, खासकर छात्राओं के लिए। इस स्तर पर विभिन्न प्रकार के शारीरिक विकासात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके समानांतर विभिन्न मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक आदि परिवर्तन भी इस महत्वपूर्ण आयु स्तर पर होते हैं। छात्राओं के संबंध में, पुरुष छात्रों की तुलना में महिला छात्रों की विशिष्ट प्रकृति की समस्याओं के बारे में अधिक जागरूक होना आवश्यक है। ऐसी असंख्य समस्याएं हैं जो केवल लड़कियों के लिए काफी विशिष्ट हैं। लड़कियों में अक्सर कई कारणों से लड़कों की तुलना में स्कूल छोड़ने की दर अधिक होती हैरू घरेलू जिम्मेदारियां; बाल श्रम; परिवार के लिए उच्च अवसर लागत; लड़कियों के घरों से स्कूलों की लंबी दूरी; जल्दी शादी और/या गर्भावस्था; स्कूल में और स्कूल जाने के रास्ते में यौन उत्पीड़न और हिंसा का खतरा; लड़कियों के अनुकूल सुविधाओं की कमी जैसे शौचालयों की कमी, मासिक धर्म के दौरान एक विशेष रूप से गंभीर समस्या; लिंग भेदभावपूर्ण शिक्षण और सीखने के तरीके; और माता–पिता और समुदाय जो लड़कियों के लिए शिक्षा के मूल्य से अवगत नहीं हैं।